International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 09, Sep 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

अनुसूचित जनजाति क्षेत्र गुमला के आदिवासी छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य एवं गणित उपलब्धि में सह-सम्बन्ध का अध्ययन

रंजीत कुमार सिंह

सारांश

इस अध्ययन का उद्देश्य अनुसूचित जनजाति क्षेत्र गुमला के आदिवासी छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और गणित उपलब्धि के बीच सह-सम्बन्ध की जांच करता है। प्रस्तुत अध्ययन में गणित में एल एन दुबे उपलब्धि परीक्षण का उपयोग किया गया तथा मानसिक स्वास्थ्य मापने के लिए अरविंद कुमार और अल्पना सेन मानसिक स्वास्थ्य बैटरी का उपयोग किया गया ताकि छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और गणित में उनके प्रदर्शन को माप जा सके।अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि गुमला के आदिवासी छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और गणित में उपलब्धि के बीच सह-सम्बन्ध है। इस अध्ययन के निष्कर्ष शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्रों में नीतिगत सुझाव और सुधारात्मक उपायों के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं, जिससे आदिवासी छात्रों की समग्र शिक्षा की गुणवत्ता और उनके गणितीय कौशल में सुधार किया जा सके।

मूल शब्द:

अनुसूचित जनजाति;
आदिवासी विद्यार्थी;
मानसिक स्वास्थ्य;
गणित उपलब्धि.

Copyright © 2024 International Journals of Multidisciplinary Research Academy. *All rights reserved.*

Author correspondence:

शोधार्थी, शिक्षा संकाय,
आई0आई0एम0टी0 विश्वविद्यालय,
गंगा नगर, मवाना रोड, मेरठ
नामांकन संख्या: IIMTUA/0409,
Email: Email ID
singhranjit535@gmail.com

1. परिचय:

अनुसूचित जनजाति क्षेत्र गुमला के आदिवासी छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और गणित उपलब्धि के बीच सह-सम्बन्ध की जांच करने वाले इस अध्ययन का उद्देश्य आदिवासी समुदाय के शैक्षणिक और मानसिक स्वास्थ्य परिदृश्य को समझना है। आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा की स्थिति और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे जटिल और विशेष ध्यान देने योग्य होते हैं। गुमला जैसे पिछड़े क्षेत्रों में, जहां शिक्षा की सुविधाएं सीमित होती हैं, और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं व्यापक हो सकती हैं, छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। गणित जैसे महत्वपूर्ण विषय में छात्रों की उपलब्धि और मानसिक स्वास्थ्य के बीच सम्बन्ध की समझ से यह ज्ञात हो सकता है कि मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएं गणितीय कौशल को कैसे प्रभावित करती हैं। इस अध्ययन के माध्यम से, आदिवासी छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और गणित में उनकी उपलब्धि को मूल्यांकित किया, ताकि उनकी शैक्षणिक और मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों को बेहतर तरीके से समझा जा सके। यह शोध शिक्षा नीतियों, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, और आदिवासी छात्रों की समग्र भलाई में सुधार के लिए महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 09, Sep 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

2. साहित्य की समीक्षा:

जोशी (2011) ने माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर सामाजिक-भावनात्मक स्कूल वातावरण के प्रभाव का अध्ययन किया और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर अनुकूल और प्रतिकूल सामाजिक-भावनात्मक स्कूल वातावरण के महत्वपूर्ण प्रभाव का संकेत दिया। अध्ययन में सरकारी और पब्लिक स्कूलों के छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण अंतर की भी रिपोर्ट की गई।

पटेल और शर्मा (2020) ने ग्रामीण भारत में जनजातीय छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों पर सामाजिक-आर्थिक कारकों के प्रभाव का विश्लेषण किया। यह शोध आर्थिक स्थिति, सामाजिक समर्थन, और पारंपरिक सांस्कृतिक कारकों जैसे पहलुओं का मूल्यांकन करता है और दर्शाता है कि ये कारक छात्रों की शैक्षणिक सफलता को कैसे प्रभावित करते हैं। अध्ययन के निष्कर्षों से पता चलता है कि बेहतर आर्थिक स्थिति और सामाजिक समर्थन शैक्षणिक प्रदर्शन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं, जबकि सामाजिक असमानताएँ और सांस्कृतिक बाधाएँ शैक्षणिक चुनौतियाँ उत्पन्न करती हैं। यह शोध नीतिगत सुधार और लक्षित हस्तक्षेप के लिए महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत करता है।

थपलियाल (2020) ने सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों का अध्ययन किया। शोध पत्र में लिंग के आधार पर छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक उपलब्धियों की तुलना भी की गई। अध्ययन के उद्देश्य से, तीन शून्य परिकल्पनाएँ तैयार की गईं। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को मापने के लिए, डॉ. तलेसरा और डॉ. बानो द्वारा विकसित मानसिक स्वास्थ्य पैमाने (एमएचएस) का उपयोग किया गया। शोध के निष्कर्षों से पता चला कि छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के साथ महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है। इसके अलावा, लिंग-वार तुलना में, वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक उपलब्धियों में कोई सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।

कुमार और वर्मा (2022) ने झारखंड के जनजातीय छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव का अध्ययन किया। यह शोध मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं—जैसे चिंता, अवसाद, और तनाव—और शैक्षणिक परिणामों के बीच के संबंध को उजागर करता है। मात्रात्मक विधियों का उपयोग करते हुए, यह अध्ययन दिखाता है कि मानसिक स्वास्थ्य छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है, जहां उच्च मानसिक संकट के स्तर के साथ कम शैक्षणिक उपलब्धियां संबंधित हैं। यह निष्कर्ष जनजातीय छात्रों के लिए लक्षित मानसिक स्वास्थ्य समर्थन और हस्तक्षेप की आवश्यकता को दर्शाते हैं, और सीमांत समुदायों में शैक्षणिक सफलता पर मानसिक स्वास्थ्य के व्यापक प्रभाव को समझने में योगदान करते हैं।

3. अध्ययन का उद्देश्य:

माध्यमिक स्तर पर आदिवासी छात्रों की गणित उपलब्धि पर मानसिक स्वास्थ्य के प्रभाव का अध्ययन करना।

4. परिकल्पना:

माध्यमिक स्तर के उच्च मानसिक स्वास्थ्य एवं निम्न मानसिक स्वास्थ्य के आदिवासी छात्रों की गणित उपलब्धि में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

5. शोध का परिसीमन:

(i) वर्तमान अध्ययन में दसवीं कक्षा के छात्रों तक सीमित है।
(ii) अध्ययन को मुख्य चर : मानसिक स्वास्थ्य और गणित उपलब्धि तक सीमित किया गया है।
(iii) अध्ययन गुमला जिले के सरकारी स्कूलों के 250 आदिवासी छात्रों तक सीमित किया गया है।

6. अध्ययन की विधि:

अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति का प्रयोग किया गया।

7. प्रतिदर्श:

गुमला के 20 माध्यमिक विद्यालयों से प्रतिदर्श चुना गया। इन विद्यालयों से 250 दसवीं कक्षा के आदिवासी छात्रों को यादृच्छिक रूप से चुना गया ।

8. प्रयुक्त उपकरण:

(i) अरविंद कुमार और अल्पना सेन मानसिक स्वास्थ्य बैटरी: मानसिक स्वस्थ्य बैटरी का विकास अरून कुमार सिंह एवं अल्पना सेन द्वारा 1987 में किया गया इसमें कुल एकांशों की संख्या-130 है जो छह खण्डो में विभाजित किया गया है और जो

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 14 Issue 09, Sep 2024,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081 UGC Approved Journal Number: 48887
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

13 से 22 वर्ष आयु वर्ग के मानसिक स्वास्थ्य को छह स्वास्थ्य सूचकांकों के माध्यम से मापते हैं - छह खण्ड क्रमशः 1. संवेगात्मक स्थिरता, 2. समग्र समायोजन, 3. स्वायत्तता, 4. सुरक्षा-असुरक्षा, 5. स्वधारणा और 6. बुद्धि है ।

वर्तमान अध्ययन में, मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्रतिदर्श को उच्च और निम्न समूहों में विभाजित किया गया था, और टॉप - बॉटम 27% के सूत्र को एक वैध साधन माना गया था। इस पद्धति में एक प्रतिदर्श को दो समूहों में विभाजित करना शामिल था। यह इस प्रकार है - शीर्ष 27% और निचला 27%। यह कुल प्रतिदर्श के स्कोर के आधार पर एक उच्च समूह और एक निम्न समूह बनाने का एक तरीका है। केली जैसे विशेषज्ञों द्वारा एक विशिष्ट प्रतिशत विभाजन के आधार पर आंकड़ों को उच्च और निम्न समूहों में वर्गीकृत करने के लिए इस पद्धतिगत दृष्टिकोण की वकालत की गई थी।

(ii) एल.एन. दुबे - गणित उपलब्धि परीक्षण (2008):- इस परीक्षण में 30 आइटम शामिल हैं जिन्हें तीन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है- (i) अंकगणित, (ii) बीजगणित, (iii) ज्यामिति। यह 13 से 15 वर्ष के छात्रों पर प्रशासित किया गया था।

9. प्रयुक्त सांख्यिकीय तकनीकें:

वर्तमान अध्ययन में माध्य, मानक विचलन और टी-परीक्षण का उपयोग किया गया।

10. अध्ययन के परिणाम और चर्चाएँ:

अध्ययन के परिणामों पर नीचे दी गई तालिका में चर्चा की गई है:

तालिका

माध्यमिक स्तर के उच्च एवं निम्न मानसिक स्वास्थ्य के आदिवासी विद्यार्थियों की गणित उपलब्धि:-

छात्र समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी - मान	परिणाम (सार्थकता स्तर 0.05)
उच्च मानसिक स्वास्थ्य	68	74.10	8.60	14.63	सार्थक
निम्न मानसिक स्वास्थ्य	68	53.90	8.90		

मुक्तांश (136) हेतु 0.05 सार्थकता के लिए टी का मान = 1.97

प्रस्तुत तालिका में माध्यमिक स्तर के आदिवासी विद्यार्थियों के प्राप्त गणित उपलब्धि संबंधीय शोध आंकड़ों की सार्थकता का परीक्षण उच्च एवं निम्न मानसिक स्वास्थ्य विद्यार्थियों के आधार पर किया गया। उच्च एवं निम्न मानसिक स्वास्थ्य विद्यार्थियों के मध्य प्राप्त टी का मान्य 14.63 प्राप्त हुआ जो कि 0.05 के स्तर पर टी तालिका में प्रदत टी के मान से अधिक है। अतः परिकल्पना निरस्त की है। जिससे तात्पर्य है कि उच्च एवं निम्न मानसिक स्वास्थ्य विद्यार्थियों की गणित उपलब्धि में अंतर है। उपरोक्त तालिका के अंतर्गत दोनों समूहों के लिए मध्यमानों से स्पष्ट है कि उच्च मानसिक स्वास्थ्य के विद्यार्थियों में गणित उपलब्धि निम्न मानसिक स्वास्थ्य वाले विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक है।

निष्कर्ष:- माध्यमिक स्तर पर आदिवासी छात्रों की गणित उपलब्धि पर मानसिक स्वास्थ्य का प्रभाव पड़ता है।

11. शैक्षिक निहितार्थ:

इस शोध "अनुसूचित जनजाति क्षेत्र गुमला के आदिवासी छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य एवं गणित उपलब्धि में सह-सम्बन्ध का अध्ययन" के निष्कर्षों से यह स्पष्ट होता है कि मानसिक स्वास्थ्य का गणितीय उपलब्धियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। इससे शैक्षणिक नीतियों और कार्यक्रमों के निर्माण में कई महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त होते हैं। पहला, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करने के लिए स्कूलों में उचित काउंसलिंग सेवाओं की स्थापना की जानी चाहिए। दूसरा, शिक्षकों को मानसिक स्वास्थ्य की महत्वपूर्णता के बारे में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे छात्रों की समस्याओं को पहचान सकें और समय पर सहायता प्रदान कर सकें। तीसरा, गणितीय शिक्षा में सुधार के लिए मानसिक स्वास्थ्य समर्थन के साथ एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। अंततः, मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंध को बेहतर समझने के लिए और अनुसंधान की आवश्यकता है, जिससे आदिवासी छात्रों के लिए अनुकूल शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

संदर्भ ग्रंथ सूची

[1] Berreman, G. D. (1972). *Caste and other inequities: Essays on inequality.* University of California Press.
[2] Dev, M. (2018). *Jharkhand ke adivasi samaj par ek adhyayan*. Shahi Pustakalay.
[3] Gururaj, N. (2002). *Tribal development in India: A study of Jharkhand and Odisha.* Concept Publishing Company.
[4] Joshi, A. (2011). Impact of socio-emotional school climate on mental health of the secondary school students. *Perspective in psychological researches, 34(2),* 65-68.
[5] Joshi, A., Thapliyal P., & Asthana. A.K. (2011). Teacher effectiveness in relation to mental health and burn-out of teachers at secondary level. *Perspective in Psychological Researches, 34*(1), 73-76.
[6] Krishna, P. (2012). *Jharkhand ke adivasi ka jeevan aur sanskriti.* Rashtriya Pustak Kendra.
[7] Kujur, P. K. and Krishnan, D. (2019). Analysis of English language learning outcome among tribal students of class viii of government schools of Gumla district, *Jharkhand. Pedagogy of Learning,* 5(2), 25-36.
[8] Kumar, A., & Verma, N. (2022). The impact of mental health on academic performance among tribal students in Jharkhand. *Journal of Indian Education Research, 58*(2), 112-125.
[9] Kumar, K. (2010). *The tribal people of India: Their culture and development.* Global Vision Publishing House.
[10] Kumar, R. (2015). *Jharkhand ki adivasi sabhyata aur sanskriti*. Aadarsh Prakashan.
[11] Minhas, B. (2007). *Jharkhand ki janajatiyan aur unki sanskriti.* Vani Prakashan.
[12] Nair, M. (1995). *The tribals of India.* New Delhi: Oxford University Press.
[13] Nath, B. (2015). *Tribes of India: Diversity and change.* Sage Publications.
[14] Padel, F. (2010). *The sacrifice of animals: Understanding the rituals and beliefs of the Adivasi.* Cambridge University Press.
[15] Patel, R., & Sharma, L. (2020). Socio-economic factors influencing the educational outcomes of tribal students in rural India. *International Journal of Educational Development*, 71, 1-8.
[16] Reddy, P. V. (2007). *Tribal communities in India: A sociological perspective.* Anmol Publications.
[17] Reddy, V. R. (2008). *Tribal development in India: Problems and prospects.* Sage Publications.
[18] Singh, S. (2010). *Jharkhand ke adivasi: Samajik aur sanskritik paridrishya.* Gyaan Pustak Mandal.
[19] Thapliyal, P. (2020). Mental Health in Relation To Academic Achievement of Students At Senior Secondary Level In Delhi. *International Journal of All Research Education and Scientific Methods (IJARESM), 10*(7), 270-273.
[20] Thapliyal, P. et al. (2020). Mental Health in Relation to Academic Achievement of Students at Secondary Level in Ranchi. *The Signage, 8* (2), 113-119.